समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

64 साल और 10 महीने बाद भारत ने क्रिकेट इतिहास मे किया कारनामा, वेस्टइंडीज की बड़ी टीम भी न रह सकी मुकाबले मे

Publisher

Published on 11 Oct 2025

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा भारत और वेस्टइंडीज का दूसरा टेस्ट मैच क्रिकेट इतिहास में एक यादगार मोड़ बन गया है। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में **5 विकेट पर 518 रन** बनाकर पारी घोषित कर दी, जो 64 साल और 10 महीने बाद एक ऐसा कारनामा है, जिसे बड़ी-बड़ी क्रिकेट टीमों ने भी हासिल नहीं किया।

भारत की बल्लेबाजी की शुरुआत शानदार रही। सलामी बल्लेबाजों ने पारी को मजबूती से खड़ा किया और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने आक्रमक खेल दिखाते हुए विपक्षी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। इस प्रदर्शन ने न केवल दर्शकों को रोमांचित किया, बल्कि इतिहास के पन्नों में भी एक नई इबारत लिख दी। भारतीय बल्लेबाजों ने संयम, तकनीक और धैर्य का ऐसा संगम प्रस्तुत किया, जिसे देखकर क्रिकेट विशेषज्ञ भी प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं।

इस ऐतिहासिक पारी के दौरान भारतीय टीम ने विकेटों के नुकसान के बावजूद शानदार रनों की साझेदारी बनाकर विपक्षी गेंदबाजों को पूरी तरह निराश किया। 518 रन की पारी में विभिन्न बल्लेबाजों ने अपने कौशल का परिचय दिया और विशेष रूप से मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने टीम के स्कोर को ऊंचा उठाया। इस पारी की खास बात यह रही कि यह केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन का परिणाम नहीं बल्कि पूरी टीम की सामूहिक मेहनत और रणनीति का नतीजा थी।

वेस्टइंडीज की टीम, जो कि क्रिकेट की बड़ी और मजबूत टीमों में गिनी जाती है, इस पारी में भारतीय बल्लेबाजों के समक्ष मजबूर नजर आई। उनके गेंदबाज शुरुआती ओवरों में कुछ सफलता हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाए और भारतीय बल्लेबाजों ने उन्हें लगातार रन बनाने का अवसर दिया। इस प्रदर्शन ने दर्शाया कि भारतीय टीम ने तकनीक और रणनीति में सुधार करके विश्व स्तरीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस पारी की खासियत यह है कि 64 साल और 10 महीने बाद भारत ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो क्रिकेट इतिहास में बेहद दुर्लभ है। यह केवल रनों का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के विकास और खिलाड़ियों की क्षमता का प्रतीक है। इस पारी ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अब किसी भी बड़ी टीम के खिलाफ मैदान में दबाव बनाए रख सकती है और मजबूत प्रदर्शन कर सकती है।

भारतीय कप्तान ने पारी के दौरान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और रणनीतिक निर्णय लिए, जिससे टीम ने विपक्षी गेंदबाजों के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा। कप्तान का यह निर्णय, पारी घोषित करने का समय और बल्लेबाजों की भूमिका को लेकर लिया गया रणनीतिक निर्णय, इतिहास में एक मिसाल बन गया।

खेल के विश्लेषक मानते हैं कि इस ऐतिहासिक पारी ने भारतीय क्रिकेट की ताकत को दिखाया है और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बना है। इस प्रदर्शन से साफ है कि भारतीय टीम अब केवल घरेलू मैदान पर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर

पर भी दबदबा कायम करने में सक्षम है।

दर्शकों और फैंस ने स्टेडियम और सोशल मीडिया पर इस कारनामे का जमकर स्वागत किया। कई क्रिकेट प्रेमियों ने इसे भारतीय क्रिकेट के स्वर्ण युग में एक नई उपलब्धि के रूप में देखा और खिलाड़ियों की मेहनत की सराहना की। इस ऐतिहासिक पारी ने भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का अवसर पैदा किया है और टीम के आत्मविश्वास को नई ऊँचाई पर पहुंचाया है।

वेस्टइंडीज की टीम के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति बन गई है। उन्हें न केवल भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ रणनीति बदलनी होगी, बल्कि मानसिक दबाव का सामना भी करना होगा। इस पारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय टीम अब किसी भी टेस्ट मैच में आसानी से पिछड़ने वाली नहीं है।

इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ ही भारत ने न केवल विपक्षी टीम को चुनौती दी, बल्कि अपने युवाओं और भविष्य के खिलाड़ियों को यह संदेश दिया कि मेहनत, तकनीक और सामूहिक रणनीति के माध्यम से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। यह पारी भारतीय क्रिकेट के लिए केवल आंकड़ों की दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि भावनात्मक और प्रेरणादायक दृष्टि से भी ऐतिहासिक साबित हुई है।

अगले सत्रों में यह देखा जाएगा कि वेस्टइंडीज की टीम इस चुनौती का कैसे सामना करती है और भारतीय टीम अपनी इस मजबूती को जारी रख पाती है या नहीं। इस ऐतिहासिक पारी ने भारतीय क्रिकेट के लिए नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और भविष्य में टेस्ट क्रिकेट के रोमांच को और बढ़ाने का अवसर दिया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.